

महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020

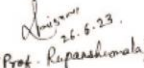
स्नातक पाठ्यक्रम के सेमेस्टर वार प्रश्नपत्र

विषय– हिन्दी कार्मिकी (Functional Hindi)


वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/ प्रयोगात्मक	क्रेडिट्स
प्रथम वर्ष	प्रथम	(41801T)	प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप	लिखित	4
		(41802P)	प्रयोगात्मक	प्रयोगात्मक	2
	द्वितीय	(41803T)	हिन्दी का प्रायोगिक व्याकरण	लिखित	4
		(41804P)	प्रयोगात्मक	प्रयोगात्मक	2
द्वितीय वर्ष	तृतीय	(41805T)	टिप्पण, प्रारूपण, तथा फाइलीकरण का क्षेत्र	लिखित	4
		(41806P)	प्रयोगात्मक	प्रयोगात्मक	2
	चतुर्थ	(41807T)	प्रेस, द्विभाषिकी एवं पत्राचार	लिखित	4
		(41808P)	प्रयोगात्मक	प्रयोगात्मक	2
तृतीय वर्ष	पंचम	(41809T)	आकाशवाणी एवं दूरदर्शन कार्यक्रम प्राविधियां	लिखित	4
	पंचम	(41810T)	भारतीय संविधान और हिन्दी	लिखित	4
	पंचम	(41811P)	प्रयोगात्मक	प्रयोगात्मक	2
	षष्ठ	(41812T)	जनसंचार माध्यम और हिन्दी	लिखित	4
	षष्ठ	(41813T)	टंकण, फैक्स और कम्प्यूटर	लिखित	4
	षष्ठ	(41814P)	प्रयोगात्मक	प्रयोगात्मक	2

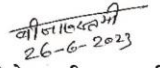
हिन्दी पाठ्य समिति की वर्चुअल बैठक दिनांक २६.०६.२०२३ द्वारा पारित एवं स्वीकृत

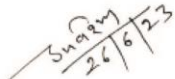

(प्रो० साधना तोमर)
वाह्य विशेषज्ञ

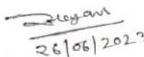

(प्रो० रूपांशुमाला)


(प्रो० कंचन सिंह)




(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
संयोजक- हिन्दी पाठ्य समिति


(डॉ० उपासना वशिष्ठ)
विशेष आमंत्रित


(डॉ० सत्य प्रकाश)
विशेष आमंत्रित

General Programme outcomes

- विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत प्रयोजनमूलक हिन्दी का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा।
- प्रायोगिक हिन्दी के मूलभूत स्वरूप, हिन्दी के रोजगारपरक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी।
- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात् हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होगा।
- विद्यार्थियों को कार्यालयी पत्राचार से परिचित कराया जायेगा।
- कम्प्यूटर रेडियो, सिनेमा, अनुवाद तथा आशु अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थियों को नए समाज की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने का पूरा प्रयास किया जाएगा।
- विद्यार्थियों को राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा तथा संविधान में हिन्दी की स्थिति एवं विभिन्न राजभाषा अधिनियमों की जानकारी प्रदान की जाएगी। जिससे वे हिन्दी के महत्व को समझ सकें।

B.A. I Year	विषय— हिन्दी कार्मिकी	Semester I
Course Code- 41801T	प्रश्नपत्र (प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप)	Credits/Hour 4/60
Course Outcomes		
<p>प्रयोजनमूलक हिन्दी के स्वरूप आवश्यकता तथा प्रयोग की जानकारी देकर विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करना।</p>		
इकाई— प्रथम		
<p>प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा एवं विकास, प्रयोजनमूलक हिन्दी का अर्थ एवं भेद, प्रयोजनमूलक हिन्दी का क्षेत्र, संरचना, अनुप्रयोग, प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताएं, प्रयोजनमूलक हिन्दी की उपयोगिता, प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं साहित्यिक हिन्दी में अंतर।</p>		
इकाई – द्वितीय		
<p>प्रयोजनमूलक हिन्दी के कार्यक्षेत्र :- शासकीय, अशासकीय कार्यालयों में, वाणिज्यिक एवं व्यापारिक क्षेत्रों में, शासन, प्रशासन में, कृषि, शिक्षा, सेना, चिकित्सा, सूचना व प्रौद्योगिकी, जनसंचार, बैंकिंग में</p>		
इकाई – तृतीय		
<p>प्रयोजनमूलक हिन्दी में प्रयुक्त विभिन्न पारिभाषिक शब्दावली:- प्रशासन संबंधी पारिभाषिक शब्दावली, रेलवे संबंधी पारिभाषिक शब्दावली, बैंकिंग संबंधी पारिभाषिक शब्दावली, व्यापार एवं वाणिज्य संबंधी पारिभाषिक शब्दावली आदि।</p>		
Course Code 41802P	प्रयोगात्मक परीक्षा (परियोजना कार्य/मौखिकी)	Credits/Hour 2/30
<p>परियोजना कार्य:- समस्त विद्यार्थियों को यह परियोजना कार्य प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप (कोर्स कोड 41801T) प्रश्नपत्र से किसी विषय पर तैयार करना अनिवार्य है। इस लघु प्रोजेक्ट का न्यूनतम 25 पृष्ठों में होना आवश्यक है।</p>		
<p>सन्दर्भ ग्रंथ –</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. विनोद गोदरे : प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली- 2009 2. डॉ0 रमेश तरुण : प्रयोजनमूलक हिन्दी (कामकाजी हिन्दी), अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली – 2020 3. डॉ0 राजेन्द्र मिश्र, राकेश शर्मा : प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली 2011 4. कैलासनाथ पांडे – प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका, लोक भारती प्रकाशन 2021 इलाहाबाद/प्रयागराज 5. डॉ0 कैलाशचंद्र भाटिया- प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली – 2017 		

B.A. I Year	विषय— हिन्दी कार्मिकी	Semester II
Course Code- 41803T	प्रश्नपत्र (हिन्दी का प्रायोगिक व्याकरण)	Credits/Hour 4/60
Course Outcomes		
हिन्दी का प्रायोगिक व्याकरण के ज्ञान से विद्यार्थियों को भाषा का शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा। इससे विद्यार्थियों में भाषा सम्बन्धित होने वाली त्रुटियों में कमी आएगी।		
इकाई— प्रथम		
हिन्दी व्याकरण का अर्थ, व्याकरण के अंग, व्याकरण के कार्य, हिन्दी ध्वनियां, वर्ण विचार, शब्द विचार तथा वाक्य विचार।		
इकाई – द्वितीय		
संज्ञा का अर्थ, संज्ञा के भेद, सर्वनाम का अर्थ तथा भेद, क्रिया का अर्थ तथा भेद, विशेषण के भेद, लिंग, वचन, कारक, प्रत्यय, उपसर्ग, विरामचिह्न।		
इकाई – तृतीय		
हिन्दी भाषा का व्यावहारिक स्वरूप, हिन्दी भाषा का विकास, हिन्दी भाषा की बोलियां एवं क्षेत्र, हिन्दी भाषा की लिपि— देवनागरी लिपि का नामकरण एवं विकास, देवनागरी की वैज्ञानिकता।		
Course Code 41804P	प्रयोगात्मक परीक्षा (परियोजना कार्य / मौखिकी)	Credits/Hour 2/30
<p>परियोजना कार्य:— समस्त विद्यार्थियों को यह परियोजना कार्य हिन्दी का प्रायोगिक व्याकरण (कोर्स कोड 41803T) प्रश्नपत्र से किसी विषय पर तैयार करना अनिवार्य है। इस लघु प्रोजेक्ट का न्यूनतम 25 पृष्ठों में होना आवश्यक है।</p> <p>सन्दर्भ ग्रंथ –</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान, किताब महल प्रकाशन इलाहाबाद 2. बाबूराम सक्सेना: सामान्य भाषा विज्ञान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 3. कामताप्रसाद गुरु: हिन्दी व्याकरण, प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली। 4. हरदेव बाहरी: हिन्दी भाषा, अभिव्यक्ति प्रकाशन इलाहाबाद। 5. कैलाशचंद्र भाटिया: हिन्दी भाषा का आधुनिकीकरण, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली। 		

B.A. II Year	विषय— हिन्दी कार्मिकी	Semester III
Course Code- 41805T	प्रश्नपत्र (टिप्पण प्रारूपण एवं फाइलीकरण का क्षेत्र)	Credits/Hour 4/60
Course Outcomes		
<p>विद्यार्थियों को टिप्पण, प्रारूपण एवं फाइलीकरण का सामान्य ज्ञान कराना, विद्यार्थियों को कार्यालयों में होने वाले विभिन्न पत्र व्यवहार की जानकारी प्रदान कराना तथा रोजगार परक व्यवहारिक ज्ञान कराना।</p>		
इकाई— प्रथम		
<p>टिप्पण का अर्थ, परिभाषाएं महत्व, विशेषताएं टिप्पण के विभिन्न क्षेत्र, कार्यालय में टिप्पण के अनुप्रयोग, टिप्पण की विधियां, टिप्पण लेखन करते समय ध्यान रखने योग्य बातें, संक्षेपण का अर्थ, संक्षेपण की विशेषताएं, संक्षेपण का क्षेत्र, पल्लवन का आशय, पल्लवन की विशेषताएं, पल्लवन और संक्षेपण में अन्तर।</p>		
इकाई – द्वितीय		
<p>प्रारूपण की अवधारणा, प्रारूप का अर्थ, प्रारूपण का महत्व एवं क्षेत्र प्रारूपण तथा कार्यालय का संबन्ध, हिन्दी प्रारूपण तथा उसके विविध क्षेत्र, प्रूफ रीडिंग एवं सम्पादन, समाचार, फीचर, सम्पादकीय, वार्ता, साक्षात्कार तथा हिन्दी का सम्बन्ध।</p>		
इकाई – तृतीय		
<p>फाइलीकरण का तात्पर्य, फाइलीकरण की परिभाषाएं, फाइलीकरण की भेद, फाइलीकरण की क्षेत्र, फाइलिंग का कार्यालय से संबंध, फाइलिंग और रोजगार, फाइलीकरण का महत्व।</p>		
Course Code 41806P	प्रयोगात्मक परीक्षा (परियोजना कार्य / मौखिकी)	Credits/Hour 2/30
<p>परियोजना कार्य:— समस्त विद्यार्थियों को यह परियोजना कार्य टिप्पण प्रारूपण एवं फाइलीकरण का क्षेत्र (कोर्स कोड 41805T) प्रश्नपत्र से किसी विषय पर तैयार करना अनिवार्य है। इस लघु प्रोजेक्ट का न्यूनतम 25 पृष्ठों में होना आवश्यक है।</p>		
<p>सन्दर्भ ग्रंथ –</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. रमा जैन: सार लेखन, प्रारूपण, टिप्पण अनुवाद एवं पत्र व्यवहार। 2. एम0के0 अग्रवाल: सरकारी संस्थानों में टिप्पणी और प्रारूप लेखन। 3. डॉ0 ' शंकर लाल शर्मा एवं डॉ0 कंचन शर्मा: हिन्दी कार्मिकी (प्रयोजनमूलक हिन्दी) 4. डॉ0 अजित प्रसाद महापात्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी 		

5. डॉ० हरिमोहन: प्रशासनिक हिन्दी : टिप्पण, प्रारूपण एवं पत्र लेखन
6. प्रो० हेमराज भारद्वाज: प्रारूपण लेखन
7. कैलाश चन्द्र भाटिया एवं तुमुन सिंह: संक्षेपण और पल्लवन।
8. डॉ० हरदेव बाहरी: हिन्दी संक्षेपण, पल्लवन और पाठवोधन।

B.A. II Year	विषय— हिन्दी कार्मिकी	Semester IV
Course Code- 41807T	प्रश्नपत्र (प्रेस सम्प्रेषण, द्विभाषिकी एवं पत्राचार)	Credits/Hour 4/60
Course Outcomes		
<p>विद्यार्थियों को प्रेस कम्यूनीकेशन, अनुवाद, आशु अनुवाद एवं कार्यालयी पत्राचार का ज्ञान प्राप्त कराना जिससे विद्यार्थी अपने जीवन में इनका उपयोग करके रोजगार के रास्ते खोज सकते हैं।</p>		
इकाई— प्रथम		
<p>प्रेस कम्यूनीकेशन का अर्थ, क्षेत्र, प्रयोग, प्रेस का विकास, प्रेस के भेद, प्रेस की विशेषताएं, प्रेस का आधुनिकीकरण, प्रेस और हिन्दी का संबंध।</p>		
इकाई – द्वितीय		
<p>आशु अनुवाद/द्विभाषिकी/तुरन्त भाषान्तरण का अर्थ, द्विभाषिकी का महत्व, द्विभाषिकी का क्षेत्र, द्विभाषिकी की विशेषताएं, द्विभाषिकीकर्ता के गुण, द्विभाषिकी करते समय ध्यान रखने योग्य बातें, हिन्दी अनुवाद का अर्थ, अनुवाद और आशु अनुवाद में अन्तर।</p>		
इकाई – तृतीय		
<p>पत्राचार का अर्थ, पत्राचार के भेद, पत्राचार का महत्व, पत्राचार की प्रवृत्तियां, कार्यालयी पत्राचार के भेद—पत्र, सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, व्यक्तिगत पत्र, परिपत्र, स्मरण पत्र, आवेदन पत्र, ज्ञापन , कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, प्रेस विज्ञप्ति, निविदा, सूचना, स्थानान्तरण पत्र, तार पत्र, अधिसूचना, विज्ञापन पत्र, व्यापारिक और वाणिज्यिक पत्र।</p>		
Course Code 41808P	प्रयोगात्मक परीक्षा (परियोजना कार्य/मौखिकी)	Credits/Hour 2/30
<p>परियोजना कार्य:— समस्त विद्यार्थियों को यह परियोजना कार्य प्रेस सम्प्रेषण, द्विभाषिकी एवं पत्राचार (कोर्स कोड 41807T) प्रश्नपत्र से किसी विषय पर तैयार करना अनिवार्य है। इस लघु प्रोजेक्ट का न्यूनतम 25 पृष्ठों में होना आवश्यक है।</p>		
<p>सन्दर्भ ग्रंथ –</p> <ol style="list-style-type: none"> डॉ० अब्दुल लतीफ: भारतेन्दु के अनूदित साहित्य का पुनर्मूल्यांकन, साहित्य प्रकाशन गाजियाबाद 2021. डॉ० पुनीत विसारिया : अनुवाद और हिन्दी साहित्य अनंग प्रकाशन दिल्ली – 2018 भोलानाथ तिवारी : अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन दिल्ली 1972 		

4. डॉ० सुरेश कुमार : अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2016.
5. डॉ० अनिरुद्ध कुमार 'सुधांशु व डॉ० महन्थी प्रसाद यादव हिन्दी भाषा सम्प्रेषण और संचार, श्री नटराज प्रकाशन दिल्ली, 2023.
6. डॉ० श्रीकांत सिंह, सम्प्रेषण प्रतिरूपण एवं सिद्धान्त, कौशल पब्लिकेशन, अयोध्या-2021
7. गरिमा श्रीवास्तव: आशु अनुवाद, संजय प्रकाशन दिल्ली
8. विमलेशकांत वर्मा : अनुवाद और तत्काल भाषांतरण प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार।
9. डॉ० रामचन्द्र तिवारी : पत्रकारिता के विविध रूप
10. डॉ० ए०आर०डंगवाल: पत्रकारिता के मूल तत्व
11. डॉ० शिल्पा कुलकर्णी : व्यावसायिक पत्र व्यवहार व अहवाल लेखन

B.A. III Year	विषय— हिन्दी कार्मिकी	Semester V
Course Code- 41809T	प्रश्नपत्र— प्रथम (आकाशवाणी एवं दूरदर्शन कार्यक्रम प्रविधियां)	Credits/Hour 4/60
Course Outcomes विद्यार्थियों को रेडियो, टेलीविजन के विकासक्रम तथा कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करना जिससे विद्यार्थी आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के ज्ञानार्जन से अपने जीवन को रोजपरक बना सकें।		
इकाई— प्रथम आकाशवाणी की व्युत्पत्ति, आकाशवाणी का अर्थ, आकाशवाणी का विकास, विज्ञान के विकास में रेडियो का योगदान, रेडियो की विशेषताएं, रेडियो पर शिक्षाप्रद कार्यक्रम आधुनिकीकरण में रेडियो का स्थान, रेडियो और हिन्दी।		
इकाई – द्वितीय दूरदर्शन का अर्थ, दूरदर्शन की परिभाषाएं, दूरदर्शन का विकास, दूरदर्शन का क्षेत्र, दूरदर्शन का महत्व, दूरदर्शन की विशेषताएं, संचार माध्यम के रूप में दूरदर्शन, दूरदर्शन और शिक्षाप्रद विभिन्न कार्यक्रम, आधुनिकीकरण में दूरदर्शन की भूमिका, टेलीविजन के वर्तमान समय में विभिन्न चैनल, टेलीविजन और हिन्दी।		
इकाई – तृतीय आकाशवाणी एवं दूरदर्शन हिन्दी संचार माध्यम, आकाशवाणी और दूरदर्शन की हिन्दी के विकास में भूमिका, भारत में आकाशवाणी और दूरदर्शन की वर्तमान स्थिति, आकाशवाणी और दूरदर्शन प्रसारण के क्षेत्र में निजीकरण के दुष्प्रभाव, प्रसारण सेवा में विज्ञापन का स्थान, दूरदर्शन एवं रेडियो के समाचार वाचन में सावधानियां सीधे प्रसारण और रिकार्डिड प्रसारण में अन्तर।		
सन्दर्भ ग्रंथ – <ol style="list-style-type: none"> 1. नवनीत मिश्र – वाणी आकाशवाणी, पब्लिकेशन डिविजन, एम.एस. इन्फार्मेशन ब्रॉडकास्टिंग गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया। (2011) 2. कौशल शर्मा रेडियो प्रसारण, प्रभात प्रकाशन 3. गंगाधर शुक्ल : वक्त गुजरता है (आकाशवाणी और दूरदर्शन को रोचक इतिहास) सारांश प्रकाशन दिल्ली 4. किशन शर्मा : यह आकाशवाणी है, नेशनल पेपर बैंकस प्रकाशन नई दिल्ली (2002) 		

5. ओमप्रकाश जमलो, आकाशवाणी और दूरदर्शन : उद्भव तथा विकास, अरावती प्रकाशन, नई दिल्ली (2002)
6. उन्मेष मिश्र, दूरदर्शन के श्रव्य और दृश्य तत्व, संजय प्रकाशन
7. अमरनाथ 'अमर' दूरदर्शन एवं मीडिया: विविध आयाम, अमर साथिया प्रकाशन (2008).

B.A. III Year	विषय— हिन्दी कार्मिकी	Semester V
Course Code- 41810T	प्रश्नपत्र—द्वितीय (भारतीय संविधान और हिन्दी)	Credits/Hour 4/60
Course Outcomes		
<p>विद्यार्थियों को भारतीय संविधान में हिन्दी की सामान्य जानकारी देना, राजभाषा, राष्ट्रभाषा संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी से परिचित कराना, हिन्दी के विभिन्न भाषा आयोग, अनुच्छेद, अष्टम अनुसूची में भाषाएं एवं वर्तमान समय में हिन्दी की उपलब्धियों से परिचय कराना।</p>		
इकाई— प्रथम		
<p>राजभाषा का अर्थ, राजभाषा की परिभाषाएं राजभाषा की विशेषताएं, राजभाषा की संवैधानिक स्थिति (अनुच्छेद 343—अनुच्छेद 351) अनुच्छेद 210, अनुच्छेद 120 तथा आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाएं।</p>		
इकाई – द्वितीय		
<p>राष्ट्रभाषा का अर्थ एवं परिभाषाएं, राष्ट्रभाषा की विशेषताएं, राष्ट्रभाषा और राजभाषा में अन्तर, संपर्कभाषा का अर्थ एवं विशेषताएं संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी का विकास, संपर्कभाषा और हिन्दी की अन्य बोलियाँ, मानकभाषा का उद्भव और विकास, मानकभाषा का क्षेत्र एवं उपयोगिता, मानक भाषा के रूप में हिन्दी।</p>		
इकाई – तृतीय		
<p>राजभाषा आयोग एवं अधिनियम – राजभाषा आयोग (1955), राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा अधिनियम 1967, राजभाषा अधिनियम 1976 (राजभाषा अधिनियम 1987, 2007, 2011 यथा संशोधित) वर्तमान में राजभाषा के प्रयोग में हिन्दी का उत्तरोत्तर विकास।</p>		
Course Code 41811P	प्रयोगात्मक परीक्षा (परियोजना कार्य / मौखिकी)	Credits/Hour 2/30
<p>परियोजना कार्य:— समस्त विद्यार्थियों को यह परियोजना कार्य प्रेस सम्प्रेषण आकाशवाणी एवं दूरदर्शन कार्यक्रम प्रविधियां (कोर्स कोड 41809T) अथवा भारतीय संविधान और हिन्दी (41810T) प्रश्नपत्र से किसी विषय पर तैयार करना अनिवार्य है। इस लघु प्रोजेक्ट का न्यूनतम 25 पृष्ठों में होना आवश्यक है।</p>		
<p>सन्दर्भ ग्रंथ –</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. राजनारायण दुबे: राजभाषा के आन्दोलन में 2. दिनकर : राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीयता 		

3. केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय : देवनागरी लिपि तथा हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण।
4. गोविन्ददास : राजभाषा हिन्दी
5. भोलानाथ तिवारी : मानक हिन्दी का स्वरूप, प्रभात प्रकाशन
6. प्रो० विजयेन्द्र : स्नातक, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति और उसका विकासशील स्वरूप
7. डॉ० बाबूराम सक्सेना: देवनागरी लिपि की भूमिका।
8. राजेन्द्र अवस्थी:— हिन्दी भाषा की भूमिका विश्व के सन्दर्भ में।

B.A. III Year	विषय— हिन्दी कार्मिकी	Semester VI
Course Code- 41812T	प्रश्नपत्र—प्रथम (जनसंचार और हिन्दी)	Credits/Hour 4/60
Course Outcomes		
<p>विद्यार्थी जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का अध्ययन करेंगे। विभिन्न माध्यमों द्वारा हिन्दी का विकास और प्रयोग की जानकारी प्राप्त करेंगे। विद्यार्थी विज्ञापन तथा समाचार वाचन एवं लेखन का ज्ञान प्राप्त करके उसे जीवन से जोड़ने का प्रयास करेंगे जो रोजगार में सहायक होगा।</p>		
इकाई— प्रथम		
<p>संचार का अर्थ, जनसंचार की व्युत्पत्ति, उद्भव और विकास, जनसंचार का महत्व, जनसंचार के की सामान्य प्रवृत्तियां, जनसंचार के विविध क्षेत्र— शिक्षा में, चिकित्सा में, कृषि में, सेना में, खेल में, मनोरंजन में, यात्रा में, साहित्य आदि क्षेत्रों में, समाचार का अर्थ, कार्य, भेद, क्षेत्र, जनसंचार एवं हिन्दी समाचार।</p>		
इकाई – द्वितीय		
<p>जनसंचार के विविध माध्यम</p> <p>(1) लिखित माध्यम – पत्र पत्रिकाएं, बैनर, पोस्टर, विज्ञापन, पुस्तकें आदि</p> <p>(2) श्रव्य माध्यम – रेडियो, मोबाइल, टेपरिकार्डर, आडियो कैसेट</p> <p>(3) श्रव्य दृश्य माध्यम – टेलीविजन, फिल्म, वीडियो कैसेट, मोबाइल, इण्टरनेट।</p> <p>(4) अन्य माध्यम— जनसंचार से सम्बन्धित।</p>		
इकाई – तृतीय		
<p>जनसंचार और हिन्दी</p> <p>(1) हिन्दी पत्र-पत्रिकाएं और जनसंचार</p> <p>(2) हिन्दी रेडियो और जनसंचार</p> <p>(3) हिन्दी टेलीविजन और जनसंचार</p> <p>(4) हिन्दी फिल्में और जनसंचार</p> <p>(5) हिन्दी साइबर मीडिया और जनसंचार</p> <p>(6) हिन्दी विज्ञापन और जनसंचार</p> <p>(7) हिन्दी सोशल मीडिया और जनसंचार।</p>		
सन्दर्भ ग्रंथ –		
<ol style="list-style-type: none"> सुधीश पचौरी: जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य डॉ० उन्मेष मिश्र: जनसंचार माध्यम की हिन्दी और हिन्दी भाषा विष्णु राजगढ़िया: जनसंचार सिद्धान्त और अनुप्रयोग 		

4. अजय कुमार सिंह : इलेक्ट्रानिक मीडिया
5. मधुकर ले: भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया
6. आर० अनुराधा: न्यू मीडिया इण्टरनेट की भाषायी चुनौतियाँ और संभावनाएं
7. पी० सी० जोशी : संस्कृति विकास और संचार क्रांति
8. जगदीश्वर चतुर्वेदी, सुधा सिंह: जन माध्यम सिद्धांतिकी
9. प्रो० विजय कुलश्रेष्ठ एवं डॉ० बीना रुस्तगी – समाचार पत्र एवं समाचार प्रेषण, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।

B.A. III Year	विषय— हिन्दी कार्मिकी	Semester VI
Course Code- 41813T	प्रश्नपत्र—द्वितीय (टंकण (टाईपिंग) फैक्स और कम्प्यूटर)	Credits/Hour 4/60
Course Outcomes		
<p>विद्यार्थी टंकण, फैक्स और कम्प्यूटर की सामान्य जानकारी प्राप्त करेंगे तथा टाईपिंग और कम्प्यूटर के ज्ञान से रोजगार प्राप्ति का प्रयास करेंगे। कम्प्यूटर के ज्ञान से विद्यार्थियों को कार्यालय एवं अन्य व्यक्तिगत संस्थाओं में रोजगार प्राप्त हो सकेगा।</p>		
इकाई— प्रथम		
<p>टंकण (टाईपिंग) का अर्थ, टाईपिंग की परिभाषाएं, टाईपिंग के भेद, टाईपिंग की विशेषताएं, टाईपिंग का क्षेत्र, टाईपिंग का महत्व, हिन्दी टाईपिंग रोजगार प्राप्ति का साधन, फैक्स का अर्थ, उद्भव और विकास, फैक्स मशीन की प्रक्रिया, फैक्स का क्षेत्र, फैक्स और कार्यालय, फैक्स और मीडिया, फैक्स मशीन और वर्तमान के इलेक्ट्रॉनिक साधन, प्रिंटर के प्रकार एवं उपयोग।</p>		
इकाई – द्वितीय		
<p>कम्प्यूटर और हिन्दी – कम्प्यूटर का अर्थ, परिभाषाएं, क्षेत्र, तथा महत्व, कम्प्यूटर के प्रकार, कम्प्यूटर के कार्य, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग प्रक्रिया, कम्प्यूटर का उद्भव और विकास, कम्प्यूटर और हिन्दी का संबंध, यूनिकोड के भेद, कम्प्यूटर की भाषाएं, हिन्दी के विभिन्न, सॉफ्टवेयर, हिन्दी में कम्प्यूटर की समस्याएं कम्प्यूटर के इनपुट एवं आउटपुट साधन।</p>		
इकाई – तृतीय		
<p>आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया – फेसबुक, व्हाट्सअप, गूगल, ईमेल, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, टेलीग्राम, मोबाइल एप, ई-समाचार, ट्यूटर, हिन्दी और मास मीडिया, मासमीडिया के लाभ और हानि, शिक्षा में मास मीडिया का उपयोग, मासमीडिया और भारतीय संस्कृति, भारत में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हिन्दी का उपयोग एवं उत्तरोत्तर बृद्धि, आशुलेखन, शार्टहैन्ड लेखन, हिन्दी के उपलब्ध सॉफ्टवेयर, हिन्दी से संबंधित विभिन्न वेबसाइट, सोशलमीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल।</p>		
Course Code 41814P	प्रयोगात्मक परीक्षा (परियोजना कार्य / मौखिकी)	Credits/Hour 2/30
<p>परियोजना कार्य:— समस्त विद्यार्थियों को यह परियोजना कार्य जनसंचार और हिन्दी (कोर्स कोड 41812T) अथवा टंकण (टाईपिंग) फैक्स और कम्प्यूटर (41813T) प्रश्नपत्र से किसी विषय पर तैयार करना अनिवार्य है। इस लघु प्रोजेक्ट का न्यूनतम 25 पृष्ठों में होना आवश्यक है।</p>		

सन्दर्भ ग्रंथ –

1. डॉ० हरिमोहन :हिन्दी कम्प्यूटर, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
2. डॉ० शशिकिरण सिंह एवं डॉ० करुणेश प्रकाश भट्ट : कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर, ठाकुर प्रकाशन, लखनऊ
3. संतोष गोयल : हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
4. संजय द्विवेदी (संपादक) : सोशल नेटवर्किंग : नये समय का संवाद, नेहा पब्लिशर्स, नई दिल्ली
5. विजय कुमार मल्होत्रा: कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. पी०के० शर्मा : कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत
7. मनोज कुमार : पत्रकारिता से मीडिया तक
8. सौरभ शुक्ल : नए जमाने की पत्रकारिता

अंक विभाजन

लिखित परीक्षा

खण्ड 'अ'

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 75 शब्द) = $5 \times 3 = 15$

खण्ड 'ब'

लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 200 शब्द) = $2 \times 7.5 = 15$

खण्ड 'स'

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 500 शब्द) = $3 \times 15 = 45$

कुल योग = 75

आंतरिक परीक्षा (मिडटर्म)

लिखित = 15

फाइल = 05

मौखिकी = 05

कुल योग = 25

प्रयोगात्मक परीक्षा

बाह्य परीक्षक द्वारा प्रोजेक्ट वर्क अंक = 25

(External Examiner) मौखिकी अंक = 50

कुल योग = 75

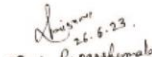
आंतरिक परीक्षक द्वारा असाइटमेंट अंक = 10

(Internal Examiner) प्रस्तुतिकरण अंक = 15

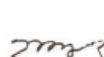
कुल योग = 25

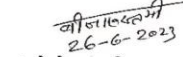
हिन्दी पाठ्य समिति की वर्चुअल बैठक दिनांक २६.०६.२०२३ द्वारा पारित एवं स्वीकृत

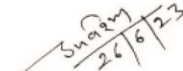

(प्रो० साधना तोमर)
वाह्य विशेषज्ञ

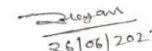

(प्रो० रूपांशुमाला)


(प्रो० कंचन सिंह)


(डॉ. राम आधार सिंह यादव)


(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
संयोजक- हिन्दी पाठ्य समिति


(डॉ० उपासना वशिष्ठ)
विशेष आमंत्रित


(डॉ० सत्य प्रकाश)
विशेष आमंत्रित